रजिस्ट्री सं० डी-222

REGISTERED No. D-222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 17, 1969 (वैशाख 27, 1891)

No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 17, 1969 (VAISAKHA 27, 1891)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखा भारत का असाधारण राजपत्र 17 अप्रैल 1969 तक प्रकाशित किया गया है :—

The undermentioned *Gazette of India Extraordinary* was published up to the 10th April 1969 :—

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subjec
46.	No. 52-ITC(PN)/69, dt. 10th April, 69.	Ministry of Foreign Trade & Supply.	Imports from U.S.A. under the U.S. AID Commodity Programme Assistance.
47.	No. 53-ITC/(PN)/69, dt. 10th April, 69.	Do.	Licensing conditions relating to import of commodities under the Canadian Non-Project Loan of C $ 15·0 Million.
48.	No. 54-ITC(PN)/69, dt. 11th. April, 1969.	Do.	Imports from U. S.A. under the U. S. AID Commodity Programme Assistance—Revalidation of Licences issued under U.S. AID Loan No. 386-H-176/386. H.-184.
49.	No. 55-ITC(PN)/69, dt. 17th April, 69.	Do.	Imports through Export Houses—Policy for April, 1969—March 1970 period (Amendment No. 2).

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय-सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	457
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	525
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	469
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	1269
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	1869
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	167
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	469
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें .	185
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं .	53
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं .	263
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें . .	83
पूरक संख्या 20—	
10 मई 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	831
19 अप्रैल 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़ें .	845

	Page
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	457
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	525
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence — — —	—
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	469
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1269
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1869
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	167
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	469
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta..	185
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	53
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	263
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	83
SUPPLEMENT No. 20—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 10th May 1969	831
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 19th April 1969	845

भाग I खण्ड 1
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम् न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1969

सं० 25-प्रैज/69—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते है :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रणवीर सिंह यादव,
पुलिस उप-निरीक्षक,
महरोनी, जिला झांसी,
उत्तर प्रदेश ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

11 फरवरी, 1967 को पुलिस को सूचना मिली कि डाकू शंकर सिंह के गिरोह का एक सदस्य कन्हैया काछी, एक दूसरे डाकू के साथ ग्राम खीरिया लटकंजू में हैं । श्री रणवीर सिंह यादव चार सिपाहियों के साथ शीघ्र वहां के लिये चल दिये । अपने आदमियों को यथा स्थान तैनात करके, श्री यादव ने अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना, लगभग 50 गज के खुले स्थान को तेजी से पार करके डाकुओं के छुपने के स्थान से चार या पांच गज की दूरी पर एक पेड़ के नीच मोर्चा जमा लिया । उन्होंने डाकुओं को आत्म-समर्पण के लिए कहा । थोड़ी देर के पश्चात् डाकू उन पर गोलियों की बौछार करते हुए झोपड़ी से निकले । कुछ गोलियां पेड़ पर लगी और कुछ श्री यादव के सिर के ऊपर से होती हुई निकल गयीं । श्री यादव जरा भी विचलित नहीं हुये और उन्होंने अपनी राइफल से गोली चला कर कन्हैया काछी को घायल कर दिया । डाकू ने रिवाल्वर निकाल ली और गोली चलाना ही चाहता था कि एक सिपाही ने उसे मार डाला । इसी बीच दूसरे डाकू ने पुलिस दल पर गोली चला दी जिससे एक सिपाही व ग्राम रक्षक समाज का एक सदस्य घायल हो गये । श्री यादव ने उस डाकू का पीछा किया परन्तु वह झाड़ियों से भरे नाले से होकर बच निकला ।

छापे के आयोजन तथा शंकर सिंह के गिरोह के इस सदस्य को समाप्त करने में श्री रणवीर सिंह यादव ने सराहनीय नेतृत्व एवं उच्च कोटि के साहस का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 फरवरी, 1967 से दिया जायगा ।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय
(कृषि विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 अप्रैल 1969

संकल्प

सं० 7-14/67-सी०ए० 2—भारत सरकार ने निर्णय किया है कि कृषि विभाग में भारत सरकार के सचिव के स्थान पर जिन्हें संकल्प संख्या 7-14/67-सी० ए० 2, दिनांक 9/16 जनवरी 1968 के द्वारा परिषद् को पुनर्गठित करते हुए निर्धारित किया गया था, कृषि विभाग में भारत सरकार के अपर सचिव भारतीय तिल्हन विकास परिषद् के उपाध्यक्ष होंगे ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समस्त राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों और भारत सरकार के समस्त मन्त्रालयों, योजना आयोग, मंत्री मण्डल सचिवालय, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय को भेजी जायें ।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाए ।

ई० प्र० माथुर, उप-सचिव

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1969

सं० 30(5)/69-समन्वय (1)—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की नियमावली के नियम 34 (vii) के अन्तर्गत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक तथा शिक्षा एवं युवक सेवा मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव, डा० आत्मा राम को, 4 अप्रैल, 1969 से लेकर तीन वर्ष तक अथवा जब तक उक्त मंत्रालय द्वारा उनका उत्तराधिकारी नियुक्त नहीं कर दिया जाता, इनमें जो भी अवधि पहले समाप्त हो—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की शासी निकाय का सदस्य नियुक्त किया जाता है ।

पी० एस० हरिहरन, उप-सचिव

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल, 1969

संकल्प

विषय: भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा० स० वि० अनु० प०) की सदस्यता ।

सं० एफ 9-50/68-योजना—राजकीय संकल्प संख्या एफ० 5-60/68-यो०, दिनांक 12 दिसम्बर, 1968 के क्रम में, सरकार

सहर्ष आदेश देती है कि, भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् का गठन इस प्रकार होना चाहिए :—

अध्यक्ष

डा० डी० आर० गाडगिल, उपाध्यक्ष, आयोजना आयोग, नई दिल्ली ।

सदस्य

1. डा० दौलत सिंह कोठारी, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ।
2. प्रो० एम० एल० दांतवाला, अर्थशास्त्र विभाग, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई ।
3. प्रो० पी० एन० धर, आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली ।
4. प्रो० एन० आर० देशपाण्डे, राजनीतिक विज्ञान तथा सार्वजनिक प्रशासन, विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर ।
5. प्रो० आर० भास्करन, 28 राजा स्ट्रीट, मद्रास ।
6. डा० रजनी कोठारी, विकासशील सोसाइटीज अध्ययन केन्द्र, दिल्ली ।
7. प्रो० वी० वी० रामनाथन, वाणिज्य विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद ।
8. प्रो० एम० एन० श्रीनिवास, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।
9. डा० एम० एस० मोरे, टाटा समाज विज्ञान संस्थान, बम्बई ।
10. डा० एल० पी० विद्यार्थी, नरतत्वीय विभागाध्यक्ष, रांची विश्वविद्यालय, रांची ।
11. डा० एस० पी० चटर्जी, राष्ट्रीय एटलस संगठन, कलकत्ता ।
12. डा० एस० के० मित्रा, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली ।
13. प्रो० रवि जे० मथाई, निदेशक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, अहमदाबाद ।
14. प्रो० दुर्गानन्द सिन्हा, मनोविज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ।
15. डा० सी० आर० राव० भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता ।
16. सचिव, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली ।
17. सचिव, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय, नई दिल्ली ।
18. सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नई दिल्ली ।
19. जनगणना का रजिस्ट्रार जनरल, नई दिल्ली ।
20. मुख्य अर्थ सलाहकार, वित्त मंत्रालय, अर्थ विभाग, नई दिल्ली ।
21. महानिदेशक, पिछड़ी जाति कल्याण, नई दिल्ली ।

सदस्य-सचिव

श्री जे० पी० नायक, सलाहकार, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय, नई दिल्ली ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघीय क्षेत्र प्रशासनों तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों को भेज दी जाए । यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्व-साधारण की सूचना के लिए संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए ।

एस० चक्रवर्ती, सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1969

सं० एफ-16-5/68 वाई०एस०-4.—शिक्षा मंत्रालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18 दिसम्बर, 1968 के क्रम में श्री कान्ति चौधरी, संयुक्त सचिव, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय, नई दिल्ली को श्री आ० बू० चन्दरामाणी के स्थान पर राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा तथा खेल संस्थानों की सोसायटी के गवर्नर्स बोर्ड के पदेनसदस्य के रूप में तत्काल से और 13-11-1970 तक नामजद किया जाता है ।

एस० एम० एस० चारी उप शिक्षा सलाहकार

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1969

सं० 1-12/65-एन० सी० ई० आर० टी०—भारत सरकार द्वारा संकल्प सं० 1-2/51 'एस ई० दिनांक 24-7-1961 के जरिए स्थापित राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के नियमों (अभी तक यथासंशोधित) के नियम 7 व 8 के उपबन्धों के साथ पढ़े जाने वाले नियम 3 (viii) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार, अपनी अधिसूचनाएं सं० एफ० 1-12/65-एन०-सी० ई० आर० टी० दिनांक 30-4-1966 और 26-4-1967 के क्रम में, राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् के निम्न-लिखित सदस्यों को पुनः 30 जून, 1969 तक के लिए नामजद करती है :—

1. श्री एच० एन० मुखर्जी,
   संसद सदस्य, नई दिल्ली ।
2. डा० ए० सी० जोशी,
   उपकुलपति,
   बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
3. डा० एल० आर० सेठी,
   अध्यक्ष,
   केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली ।
4. डा० वामन राव,
   उप कुल पति,
   श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति ।
5. डा० ए० मजीब,
   अध्यक्ष, शिक्षा विभाग,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,
   अलीगढ़ ।
6. डा० पी० के० केलकर,
   निदेशक,
   टेक्नोलोजी संस्थान, कानपुर ।

7. प्रो० पी० एन० धर,
निदेशक,
आर्थिक विकास संस्थान,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।

8. डा० डी मिश्र,
उप कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय,
भुवनेश्वर

9. डा० के० कुरुविला जेकब, प्रिंसिपल,
हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट, हैदराबाद ।

10. डा० एम० एस० गोरे,
निदेशक,
टाटा समाज विज्ञान संस्थान,
बम्बई ।

11. प्रो० ए० आर० कामत,
सांख्यिकीय प्रोफेसर,
गोखले राजनीति और अर्थशास्त्र संस्थान, पूना ।

12. श्री एन० डी० सुन्दरवडिवेलु,
निदेशक, कालेज शिक्षा,
तमिलनाडु, मद्रास ।

एस० पी० जैन, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1969

सं० एफ-14(3)/69 एस०आर०-I—राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के संगठन तथा वर्तमान स्थापना में यथावश्यक परिवर्तन करने के प्रश्न पर भारत सरकार विचार करती रही है ताकि हमारी वैज्ञानिक संस्थाओं में किए जाने वाले अनुसंधानों और आविष्कारों की खोज तथा विकास में निगम सक्रिय सहयोग देने में समर्थ हो सके । इन मामलों में निर्णय होने तक, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के संस्था के अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 89 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, शिक्षा मंत्रालय की समय समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं० एफ-5(3)/67-एस० आर-I दिनांक 10-3-1967 के अनुसार नियुक्त निदेशक मण्डल के निम्नलिखित निदेशकों का कार्यकाल, 1 अप्रैल 1969 से चार महीने की और अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं :—

1. डा० एस० हुसैन जहीर,
के-114, हौज खास, नई दिल्ली ।

2. श्री एस० एल० किर्लोस्कर,
किर्लोस्कर आयल इन्जिन्स लि०,
एलफिन्स्टन रोड, किरकी, पूना-3 ।

3. श्री एम० एस० नवकर्णी,
(संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय)
वित्त सलाहकार, शिक्षा और युवक सेवा मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

4. डा० ए० सीता रमैय्या,
वरिष्ठ औद्योगिक सलाहकार (रसायन)
तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली ।

5. श्री एम० एम० सूरी,
बी-14, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

6. डा० वाई० नायुडम्मा,
निदेशक, केन्द्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान,
मद्रास-20 ।

7. श्री के० सेन,
मेर्सस अलाइड रेसिन्स एण्ड कैमिकल्स प्राइवेट लि०,
10-1, एलगिन रोड, कलकत्ता-20 ।

8. श्री लक्ष्मीपत सिंघानिया,
जे० के० आर्गेनाइजेशन,
7— परिषध हाउस, स्ट्रीट, कलकत्ता

9. मेजर जनरल जे० आर० सेम्सन,
मुख्य नियंत्रक,
रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन,
रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।

10. श्री डी० पी० अग्रवाल,
प्रधान,
दि हैदराबाद एलविन मेटल वर्क्स लि०,
हैदराबाद ।

11. श्री बलदेव सिंह,
अनुसंधान समन्वय,
औद्योगिक सम्पर्क और विस्तार अधिकारी,
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली ।

12. श्री एम० श्रीनिवासन,
महानिदेशक,
अनुसंधान, डिजाइन तथा स्टेण्डर्ड आर्गेनाइजेशन,
आलमबाग, लखनऊ ।

13. श्री एल० एस० चन्द्रकांत,
संयुक्त शिक्षा सलाहकार,
शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

2. राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के संस्था के अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 103 के अन्तर्गत, राष्ट्रपति, निगम के अध्यक्ष के रूप में डा० हुसैन जहीर का कार्यकाल, 1 अप्रैल 1969 से चार महीने के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं ।

बी० एन० भारद्वाज, उप सचिव

पोत परिवहन तथा परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1969

संकल्प

सं० 28-एम०टी० (5)/67—केन्द्रीय सरकार, पोत परिवहन तथा परिवहन मंत्रालय के संकल्प संख्या 28-एम०टी० (5) 67, दिनांक 28 जुलाई, 1967 को संकल्प संख्या 28-एम०टी० (5)/67, दिनांक 31 अक्तूबर, 1968 के साथ पठित करते हुये निम्न संशोधन करती है:

"क्रम संख्या 18 के सामने 'कप्तान पी०एस० लूकास' के नाम के स्थान पर 'कप्तान डी हौटोन' का नाम रखा जायेगा" ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबद्धों को भेजी जाये ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प सामान्य सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये ।

आर० दोरायस्वामी, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1969

सं० 60/आर०ई०/2040/3—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंकी (संरचना नं० कि० मी० 1030/25-26) से फफूंद (संरचना नं० कि०मी० 1101/7-8) तक 25 के० वी० ए० सी० बिजली कर्षण चालू करने के सम्बन्ध में सभी समपारों पर सड़क के स्तर से स्पष्टतः 15 फुट 4 इंच ऊंचे ऊंचाई गेज लगा दिये गये हैं ताकि बहुत अधिक ऊंचाई तक लदा हुआ सामान बिजली संचारित कर्षण तारों के सम्पर्क में या उनके इतने निकट न आये कि खतरा पैदा हो जाये । इसलिए जनता को सूचित किया जाता है कि वाहनों में लदान के उद्देश्य से ऊपर बतायी गयी ऊंचाई का ध्यान रखा जाये और सड़क वाहनों में लादा गया सामान किसी भी हालत में ऊंचाई गेजों का अधिलंघन न करे ।

बहुत अधिक ऊंचाई तक लादे हुए सामान से निम्नलिखित खतरे हो सकते हैं—

(i) ऊंचाई गेज उखड़ जायेंगे जिससे सड़क और रेलवे लाइन पर रुकावट पैदा हो जायेगी ।

(ii) ढोये जाने वाले सामान या उपस्कर (या स्वयं वाहन) को क्षति पहुंचेगी ।

(iii) बिजली संचारित कंडक्टरों के सम्पर्क में या उनके बहुत निकट आ जाने के कारण आग लग सकती है जिससे जान के लिए जोखिम पैदा हो सकता है ।

सी० एस० परमेश्वरन, सचिव,
रेलवे बोर्ड

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 9th May 1969

No. 25-Pres./69.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name of the officer and rank :

Shri Ranvir Singh Yadav,
Sub-Inspector of Police,
Mahroni, District Jhansi,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 11th February 1967, information was received by the Police that Kanhaiya Kachhi, a member of the gang of dacoit Shankar Singh, and another dacoit, were in the village Khiriya Latkanju. Shri Ranvir Singh Yadav immediately proceeded there along with four constables. Having deployed his men, Shri Yadav, without regard for his own safety, dashed across an open area of about 50 yards and took up position behind a tree within four or five yards of the dacoits' hideout. He called on the dacoits to surender, but after a little while the dacoits emerged from the hut firing in quick succession at Shri Yadav. Some of the shots hit the tree and others went over Shri Yadav's head. Undeterred, Shri Yadav fired at Kanhaiya Kachhi with his rifle and wounded him. The dacoit drew a revolver and tried to fire but was killed by one of the constables. Meanwhile, the second dacoit fired on the Police party and injured a constable and a member of the Village Defence Society. Shri Yadav pursued him but he escaped through a wooded Nala.

In organising the raid and liquidating this member of Shankar Singh's gang, Shri Ranvir Singh Yadav displayed commendable leadership and courage of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th February, 1967.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS AND MINES & METALS

Department of Mines & Metals

New Delhi, the 1st May 1969

CORRIGENDUM

No. 6/18/68-M-III.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Metals (Department of Mines and Metals) No. 6/18/68-M-III, dated the 18th January, 1969, published on pages 52 to 64 in the Gazette of India, Part I Section 1, dated the 18th January, 1969—

RULES

1. on page 52, column 2—
   (i) para 3(b)
   for "Sikkin", *read* "Sikkim";
   (ii) para 3(d)
   for "Sikkim", *read* "Bhutan";
   (iii) para 3(e) line 1
   for "a Tibetan refugee came";
   read "a Tibetan refugee who came";

APPENDIX I

2. on page 55, column 1, cage under para 1,
   (i) against item A(iii) under Maximum Marks
   for "135", *read* "150";
   (ii) item (1) under Paper II, and lines 1 and 2
   for "Motallic", *read* "Metallic";
   for "non-Metallic", *read* "Non-Metallic";

3. on page 55, column 2, *Economic Geology of Section III* under (3) GEOLOGY I, line 1
   for "process", *read* "processes";

4. on page 56, column 2, 8th sub-para of (5) INDIAN STRATIGRAPHY, Line 3
   for "Palaeozonic", *read* "Palaeozoic";

5. on page 57, column 1, sub-head 'Dams' under (8) ENGINEERING GEOLOGY AND GROUNDWATER GEOLOGY, line 1.
   for 'sypes", *read* "types";

6. on page 57, column 2, 3rd sub-para of *Groundwater Geology* under (8) ENGINEERING GEOLOGY AND GROUNDWATER GEOLOGY, line 2
   for "antural", *read* "natural";

7. on page 59, column 1—
   (i) 3rd sub-para of Geochemistry under (13) GEOCHEMISTRY PHOTOGEOLOGY AND NUCLEAR GEOLOGY, line 3
   for "Magnetic", *read* "magmatic";

(ii) sub-heading *Photogeology* under (13) GEOCHEMISTRY, PHOTOGEOLOGY AND NUCLEAR GEOLOGY, Line 1

for "photography", *read* "Photogeology";

APPENDIX II

8. on page 61, column 1, sub-heading (c) *squint* under Note (6) of para 6 of Medical Regulations, lines 3 and 4

for "pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—",

read "prescribed standard, should be considered as a disqualification.";

9. on page 62, column 1 item (c) of para 9

for item "(c)", *read* item "(e)";

10. on page 63, column 1, cage under para 6 of 'Candidate's statement and declaration; column 1, line 3

for "stage", *read* "state".

A. SETHUMADHAVAN, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 28th April 1969

RESOLUTION

No. 3*S*(8)/68-*LI*(*I*)—The Government of India in their Resolution No. 41(8)66-LI(I), dated the 26th September, 1966 constituted a Committee under the Chairmanship of Shri A. K. Roy, Joint Secretary in the then Ministry of Industry to examine the various provisions of the Indian Explosives Act, 1884 and the Explosives Rules, 1940. The following were the terms of reference of the Committee :—

(a) To examine the various provisions of the Indian Explosives Act, 1884 and the Explosives Rules, 1940, and suggest suitable amendments and revisions, wherever necessary, to suit the country's present requirements and to eliminate discriminatory treatment, if any, in the application of rules to explosives imported into the country from various sources;

(b) To evolve standards and specifications in regard to explosives;

(c) To consider the desirability of making a comparative study of the practices followed and rules in force in other countries (U. K., Hungary and Yugoslavia) in regard to the manufacture and use of explosives.

2. The Committee submitted an interim report to the Government of India on 30th December, 1967. The principal recommendations therein and Governments' decisions thereon are as follows :—

Recommendations	Government's decisions
(1)	(2)
1. Amendments in the Indian Explosives Act, 1884 and the Explosives Rules, 1940.	
The Committee have recommended certain amendments/revisions in the various provisions of the Act and the Rules taking into consideration the views expressed by the various interests concerned. These recommendations are in respect of the provisions relating to the manufacture, transport, possession use, sale, packing, testing and importation etc. of explosives, and also with a view to removing the difficulties experienced by the Explosives industry and other interest concerned and also to remove the shortcomings in the existing provisions without compromising the safety aspects involved.	Government accept the recommendations and steps would be taken to implement them as early as possible.
2. Deputation of a Study Team abroad :	
The Committee have recommended that a Study Team of the Committee should be sent as early as possible to U.S.A., U. K., Hungary, Yugoslavia and Switzerland to study the rules and regulations for the explosives industries in those countries, see the working of the industries, hold discussions with the officers and technical persons concerned and to visit the testing sites/laboratories for permitted explosives and detonators and on return to apprise the committee of the various aspects involved in the study so as enable them to make further recommendations, if necessary, based on the findings of the Study Team.	Government do not think it would be worth while to send out such a Team. Instead copies of Acts, rules and regulations and reports pertaining to those countries could be obtained and studied.
3. Central and Regional Laboratories in the Department of Explosives:	
(*a*) As the work of testing new explosives is on the increase, it is essential that the explosives Deptt. should have its own central Testing Laboratory with necessary facilities so that all types of tests and trials could be carried out by the Deptt. itself at one place. This will not only expedite the testing of all types of explosives but also free the Deptt. of the difficult and time consuming problems of coordinating testing at places situated as far apart as Dhanbad and Kirkee and under different administrations.	A final decision on this will be taken only after the financial implecations are worked out.
(*b*) Setting up of a small laboratory at each Circle Office of the Deptt. of Explosives would improve and expedite the work relating to the examination of exhibits received from Police Authorities in very large numbers. The Committee are of the view that the Deptt. should have its own facilities for carrying out tests and trials of explosives. They have also agreed to the setting up of small regional laboratories attached to Circle Offices.	A final decision on this will be taken only after the financial implecations are worked out.
4. Standards and Specifications in regard to explosives:	
The Committee have felt it reasonable and necessary that instead of the U. K. standards and specifications on explosives which are followed at present, we should have our own standards and specifications in the field of commercial explosives to suit our needs and conditions. With a view to expediting formulation of such standards and providing effective machinery to look after the work in the field of standardisation, they have suggested setting up by the Indian Standards Institution of a Specialists' Committee on which all major interests in the field of explosives are represented.	Government accept the recommendation. The Indian Standards Institution will implement it as early as possible.
5. Organisation of the Deptt. of Explosives:	
(*a*) The Committee have observed that the Organisation of the Chief Inspector of Explosives is now not only concerned with the inspection of imported explosives and fireworks but also with the supervision over production and quality	Government accept the recommendation.

(1)	(2)
of explosives as a result of setting up of new industries in this field in our own country. The officers of the Deptt. are giving educative lectures to police and railway officers etc. and advice to Port Authorities and Railway Board etc. The Committee are, therefore, of the view that in order to reflect the actual working of this organisation, its designation should be revised as 'the Department of Explosives' and the designation of its officers should be Chief Controller of Explosives', 'Deputy Chief Controller of Explosives', 'Controller of Explosives' and 'Deputy Controller of Explosives.'	
(*b*) The Committe are of the opinion that in view of the increased work and added responsibilities and duties of the officers of the Deptt. of Explosives and the increased cost of living, their pay scales require to be reviewd with a view of bring them at least in line with scales of pay applicable in similar other scientific and technical deptts. This is considered all the more necessary so as to keep the morale and integrity of the officers high, in view of their special relationship with the public in their day-to-day activities. Even the revenue earned by the Deptt. also fully justifies increase in the pay scales of the officers though this cannot by itself be the criterion.	Government have taken note of this recommendation. This will be examined in consultation with the Ministry of Finance.
6. Amendment to Gas Cylinder Rules, 1940:	
The Committee feel that examination of the Indian Explosives Act 1884 with which they have been entrusted, will also need examination of the other rules, namely, Gas Cylinder Rules, 1940 framed under it and have set up a Sub-Committee to examine these rules and suggest suitable amendments and revisions, wherever necessray to suit the country's present requirements.	The recommendations of the Committee on these rules are awaited.

ORDER

ORDER that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it may be published in the Gazette fo India.

C. K. MODI
Under Secretary

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT & COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 28th April 1969

RESOLUTION

No. 7-14/67-*CAII.*—The Government of India have decided that the additional Secretary to the Government of India, in the Department of Agriculture, shall be the Vice-Chairman of the Indian Oilseeds Development Council in place of Secretary to the Government of India Department of Agriculture, as laid down in the Resolution No. 7-14/67-CAII, dated the 9th/16th January, 1968, reconstituting the Council.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

I. P. MATHUR, Dy. Secy.

(I.C.A.R.)

New Delhi, the 30th April 1969

No. 30(5)/69-*CDN(I).*—Under Rule 34(vii) of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research, Dr. Atma Ram, Director General, Council of Scientific and Industrial Research and Secretary to the Government of India in the Ministry of Education & Youth Services, New Delhi, is appointed as a member of the Governing Body of the Indian Council of Agricultural Research for a period of three years with effect from the 4th April, 1969 or till such time as his successor is nominated by the Ministry of Education & Youth Services, whichever period expires earlier.

P. S. HARIHARAN, Dy. Secy.

(Department of Community Development)

New Delhi, the 31st March 1969

RESOLUTION

No. 16-24/66-*Trg.*—The National Institute of Community Development has been functioning as an autonomous body since November 1965, with full financial support from this Ministry.

2. For some time past, the question of an independent evaluation of the working of the National Institute of Community Development has been under consideration. The Estimates Committee of Parliament in their 98th Report had stressed the need of subjecting the training and research programmes of the Institute to evaluation by an independent team and examining, in this connection, the question of continuance or modification of the existing programmes in order to make them more purposeful and realistic.

3. Accordingly, it has been decided to set up a team to evaluate the working of the National Institute of Community Development.

4. The composition of the Team will be as under :—

Chairman

(i) Prof. M. V. Mathur, ex-Vice Chancellor, Jaipur University and now Director, Asian Institute of Educational Planning and Administration, New Delhi.

Members

(ii) Shri P. S. Bapna, Chairman-*cum*-Managing Director, Madhya Pradesh State Industries Corporation Ltd., Bhopal.

(iii) Dr. Ravi J. Mathai, Director of the Indian Institute of Management, Ahmedabad.

5. Shri U. C. Ghildyal, Director (Training), National Institute of Community Development, Hyderabad, will serve as non-Member Secretary of the Team.

6. The terms of reference of the Evaluation Team will be :—

(i) to evaluate the training and research programmes of the National Institute of Community Development; and

(ii) to examine the question of continuance of, or modification in the existing programmes so as to make them more purposeful and realistic.

7. The Team should submit its report within three months. The headquarters of the Team will be New Delhi.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all members of the Team, the Dean, National Institute of Community Development, Hyderabad, and Shri U. C Ghildyal, Director (Training), National Institute of Community Development, Hyderabad.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

I. D. N. SAHI, Additional Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

RESOLUTION

New Delhi, the 15th April 1969

SUBJECT :—*Membership of the Indian Council of Social Science Research (ICSSR)*

No. F. 9-50/68-*Plg.*—In continuation of Government Resolution No. F. 9-50/68-Plg., dated 12th December, 1968, Government is pleased to direct that the composition of the Indian Council of Social Science Research should be as follows :—

Chairman

Dr. D. R. Gadgil, Deputy Chairman of the Planning Commission, New Delhi.

Members

1. Dr. D. S. Kothari, Chairman, University Grants Commission, New Delhi.
2. Prof. M. L. Dantwala, Department of Economic, University of Bombay, Bombay.
3. Prof. P. N. Dhar, Institute of Economic Growth, New Delhi.
4. Prof. N. R. Deshpande, Department of Political Science & Public Administration, Nagpur University, Nagpur.
5. Prof. R. Bhaskaran, 28, Raja Street, Madras.
6. Dr. Rajni Kothari, Centre for the Study of Developing Societies, Delhi.
7. Prof. V. V. Ramanadham, Department of Commerce, Osmania University, Hyderabad.
8. Prof. M. N. Shriniwas, University of Delhi, Delhi.
9. Dr. M. S. Gore, Tata Institute of Social Sciences, Bombay.
10. Dr. L. P. Vidyarthi, Head of Anthropological Department Ranchi University, Ranchi.
11. Dr. S. P. Chatterjee, National Atlas Organisation, Calcutta.
12. Dr. S. K. Mitra, Joint Director, National Council of Educational Research & Training, New Delhi.
13. Prof. Ravi J. Mathai, Director, Indian Institute of Management, Ahmedabad.
14. Prof. Durganand Sinha, Department of Psychology, University of Allahabad, Allahabad.
15. Dr. C. R. Rao, Indian Statistical Institute, Calcutta.
16. Secretary, Ministry of Home Affairs, New Delhi.
17. Secretary, Ministry of Education & Youth Services, New Delhi.
18. Secretary, Ministry of Finance, Department of Expenditure, New Delhi.
19. Registrar General of the Census, New Delhi.
20. Chief Economic Adviser, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.
21. Director General, Backward Classes Welfare, New Delhi.

Member-Secretary

Shri J. P. Naig, Adviser, Ministry of Education & Youth Services, New Delhi.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments and Administrations of Union Territories and to all Ministries of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

S. CHAKRAVARTI, Secy.

New Delhi, the 17th April 1969

No. F. 16-5/68 *YS-4.*—In continuation of the Ministry of Education Notification of even number dated the 18th December, 1968

Shri Kanti Chaudhuri
Joint Secretary,
Ministry of of Education and Youth Services,
New Delhi.

is nominated as *Ex-Officio* Member of the Board of Governors of the Society for the National Institutes of Physical Education & Sports with immediate effect and up to 13-11-1970 *vice* Shri A. B. Chandiramani.

S. M. S. CHARI, Dy. Educational Adviser

S.S. & D. Division

New Delhi, the 25th April 1969

No. 14(3)/69-*SRI.*—The Government of India has been having under consideration the changes that might be necessary to the present set up and organisation of the National Research Development Corporation, in order that the Corporation may be enabled to function effectively in the development and exploitation of inventions and researches carried out in our scientific institutions. Pending a decision on these matters, under the powers vested in him by Article 89 of the Articles of Association of the National Research Development Corporation, the President of India is pleased to extend the term of the following Directors on the Board of Directors appointed *vide* the Ministry of Education Notification No. 5(3)/67-SRI, dated the 10th March, 1967, as amended from time to time, for a period of four months with effect from the 1st April, 1969 :—

1. Dr. S. Husain Zaheer, K-114, Hauz Khas, New Delhi.
2. Shri S. L. Kirloskar, Kirloskar Oil Engines Ltd., Elphinston Road, Kirkee, Poona-3.
3. Shri M. S. Nadkarni, (Joint Secretary, Ministry of Finance), Financial Adviser, Ministry of Education & Youth Services, New Delhi.
4. Dr. A. Seetharamiah, Senior Industrial Adviser (Chemicals), Directorate General of Technical Development, New Delhi.
5. Shri M. M. Suri, B-14, Greater Kailash, New Delhi.
6. Dr. Y. Nayudamma, Director, Central Leather Research Institute, Madras-20.
7. Shri K. Sen, M/s. Allied Resins and Chemicals Private Ltd., 10-1, Elgin Road, Calcutta-20.
8. Shri Laxmipat Singhania, J. K. Organisation, 7, Council House Street, Calcutta.
9. Major General J. R. Samson, Chief Controller, Defence Research & Development Organisation, Ministry of Defence, New Delhi.
10. Shri D. P. Agarwal, President, The Hyderabad Allwyn Metal Works Ltd., Hyderabad.
11. Shri Baldev Singh, Research Coordination, Industrial Liaison & Extension Officer, Council of Scientific & Industrial Research, New Delhi.
12. Shri M. Srinivasan, Director General, Research, Design and Standards Organisation, Alambagh, Lucknow.
13. Shri L. S. Chandrakant, Joint Educational Adviser, Ministry of Education & Youth Services, New Delhi.

2. The President is also pleased to extend the term of Dr. Husain Zaheer as Chairman of the Corporation under Article 103 of the Articles of Association of the National Research Development Corporation, for four months with effect from 1st April, 1969.

B. N. BHARDWAJ, Dy. Secy.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 3rd May, 1969

RESOLUTION

No. 28-*MT*(5)/67.—The Central Government is pleased to make the following amendment to the Ministry of Transport and Shipping Resolution No. 28-MT(5)/67, dated the 28th July, 1967 read with the Resolution No. 28-MT(5)/67, dated the 31st October, 1968 :—

"*For* the name 'Capt. P. S. Lucas' appearing against serial No. 18, the name 'Capt. D. Houghton' shall be *substituted*."

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. DORAISWAMY, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 29th April 1969

No. 60/*RE*/240/3.—It is notified for the information of general public, that in connection with the introduction of 25 KV AC electric traction in the Section Panki (structure No. km. 1030/25-26) to Phaphund (structure No. km 1101/7-8) height gauges have been erected at all level crossings with a clear height of 15'-4" above road level, with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are :—

(i) the height gauge would be thrown out causing obstruction to the road as well as to the Railway line;

(ii) the materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;

(iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductors.

C. S. PARAMESWARAN, Secy. Railway Board

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1969